भारत – घाना संबंध

भारत और घाना के बीच पारस्परिक संबंध परंपरागत रूप से सौहार्द एवं मैत्रीपूर्ण रहा है। हमारे द्विपक्षीय संबंधों की मजबूत नींव भारत के प्रथम प्रधानमंत्री, पं. जवाहरलाल नेहरू तथा घाना के प्रथम राष्ट्रपति, डॉ0 क्वामे नकरूमाह के द्वारा रखी गई थी। इन दोनों नेताओं के बीच गहरी दोस्ती भी थी।

विगत में घाना के राजनयिकों द्वारा भारत में किए गए भ्रमणों में वर्ष 1961 में राष्ट्रपति नकरूमाह तथा वर्ष 1981 में राष्ट्रपति लिमान का भारत दौरा शामिल है। राष्ट्रपति राउलिंग ने वर्ष 1993 के अपने बेजिंग दौरे के दौरान मुम्बई में रूके और स्वर्गीय मदर टेरेसा के दाह-संस्कार में भाग लेने के लिए भारत का दौरा किया। इसके अलावा, अप्रैल 1986 में नाम देशों के मंत्रीय सम्मेलन में विदेश मंत्री के दौरा सहित घाना के राजनयिकों ने अन्य कई दौरे भी किए।

राष्ट्रपति कुफूर ने उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ अगस्त, 2002 में भारत का दौरा किया। चार द्विपक्षीय करारों पर हस्ताक्षर किए गए जिनमें एकरा में सूचना प्रौद्योगिकी में प्रशिक्षण हेतु एक उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना करना (जो दिसंबर, 2003 में प्रचालन में आया); द्वपक्षीय निवेश संवर्धन तथा संरक्षण करार (बी आई पी पी ए); भारतीय विदेश मंत्रालय तथा घाना के विदेश मंत्रालय के बीच विचार विमर्श संबंधी प्रोटोकॉल; तथा सांस्कृतिक एवं वैज्ञानिक विनिमय कार्यक्रम से संबंधित एक करार शामिल है। घाना के उप-राष्ट्रपति, अल्हाजी अलीयू महामा ने मार्च, 2008 में नई दिल्ली में आयोजित सी आई आई कॉन्क्लेव के लिए घाना के एक बड़े प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। राष्ट्रपति कुफूर ने नई दिल्ली में आयोजित भारत अफ्रीका शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत का दौरा किया।

उप- राष्ट्रपति जॉन द्रमणी महामा ने व्यापार एवं उद्योग मंत्री, सुश्री हन्ना टेटाह के साथ मार्च, 2010 में सी आई आई एक्सिम बैंक कॉन्कलेव में भाग लेने के लिए भारत का दौरा किया। युवा तथा खेल मंत्री, सुश्री अकुआ सेना दानसुआ ने दिल्ली में आयोजित 19वें राष्ट्रमंडल खेल के लिए घाना के प्रतिनिधिदल के प्रमुख के रूप मे अक्टूबर, 2010 में भारत का दौरा किया।

उप राष्ट्रपति क्वेसी बेको अमिस्साह आर्थर ने निजी क्षेत्र विकास राज्य मंत्री राशिद पेलपुओ के साथ विश्व आर्थिक फोरम तथा सी आई आई द्वारा संयुक्त रूप से नई दिल्ली में 4-6 नवम्बर, 2014 के दौरान आयोजित विश्व आर्थिक फोरम शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत का दौरा किया। उन्होंने उप राष्ट्रपति श्री मोहम्मद हामिद अंसारी से भी मुलाकात की तथा भारतीय उद्योग के प्रमुखों के साथ एक अंत:क्रियात्मक सत्र में भाग लिया।

घाना की ओर से भारत में मंत्रियों के नियमित दौरे हुए जिनमें अक्टूबर, 2012 में पर्यावरण विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी मंत्री, सुश्री शेरी अइट्टे, मार्च, 2013 में खाद्य तथा कृषि मंत्री सुश्री क्लेमेंट हुमाडो तथा उप वित्त मंत्री के साथ मत्स्य एवं जल कृषि विकास मंत्री श्री नेयॉन बिलिजो "10वें एक्जिम बैंक – सी आई आई कॉन्क्लेव ऑन इंडिया अफ्रीका प्रोजेक्ट पार्टनरशिप" में भाग लेने वाले ऊर्जा एवं वित्त मंत्रालयों तथा प्रेसिडेंसी के वरिष्ठ कार्मिकों का मार्च, 2014 में नई दिल्ली में दौरा शामिल है। व्यापार एवं उद्योग मंत्री डा. एकवोव स्पियो - गरबाह के नेतृत्व में एक 9 सदस्यीय शिष्टमंडल ने 15 से 17 जनवरी 2015 के दौरान जयपुर में सी आई आई द्वारा आयोजित साझेदारी शिखर बैठक में भाग लिया। इस शिखर बैठक के दौरान अतिरिक्त समय में उन्होंने वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती निर्मला सीमारमन से मुलाकात की।

भारत की ओर से घाना के लिए किए प्रमुख राजनयिक दौरों में प्रधानमंत्री श्री पी0 वी0 नरसिंम्हा राव का बुर्किना फासो से वापसी में 8-9 नवम्बर, 1995 को उच्च स्तरीय शिष्टमंडल के साथ किया गया घाना का दौरा शामिल है। उनके उस दौरे के दौरान, संयुक्त आयोग बनने के बारे में भारत और घाना के बीच करार पर हस्ताक्षर किए गए।

भारत की आरे से भी घाना के लिए नियमित रूप से मंत्री और अधिकारी स्तर के दौरे किए जाते रहे हैं। तत्कालीन विदेश राज्य मंत्री श्री आनंद शर्मा के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय शिष्टमंडल ने भारत - अफ्रीका परियोजना साझेदारी पर सी आई आई - एग्जिम बैंक क्षेत्रीय गोष्ठी तथा टीम 9 मंत्रि स्तरीय बैठक में भाग लेने के लिए 24 से 26 मई 2006 के दौरान घाना का दौरा किया। उन्होंने घाना की आजादी के स्वर्ण जयंती समारोहों में भाग लेने के लिए पुन: मार्च 2007 में घाना का दौरा किया; जुलाई

2008 में प्रधानमंत्री के विशेष दूत के रूप में; फ्लैग स्टाफ हाउस (भारत की ऋण सहायता से निर्मित राष्ट्रपति परिसर) के उद्घाटन के लिए नवंबर 2008 में; और स्व. राष्ट्रपति जॉन एवांस अट्टा मिल्स के नेतृत्व में नई सरकार को शुभकामनाएं देने के लिए प्रधानमंत्री के विशेष दूत के रूप में जनवरी 2009 में घाना का दौरा किया। श्री आनंद शर्मा ने सितंबर 2010 में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री के रूप में घाना का दौरा किया तथा भारत - घाना सी ई ओ गोलमेज के लिए भारतीय शिष्टमंडल का नेतृत्व किया; और उन्होंने 8 से 10 जुलाई 2012 के दौरान इंडिया शो के आयोजन के अवसर पर घाना में अधिकारियों एवं कारोबारियों के एक उच्च स्तरीय शिष्टमंडल का नेतृत्व किया। प्रवासी भारतीय मामले मंत्री श्री वायलार रवि ने अफ्रीकी देशों की अपनी यात्रा के अंग के रूप में फरवरी 2010 में घाना का दौरा किया। विदेश राज्य मंत्री श्रीमती प्रनीत कौर ने स्वर्गीय राष्ट्रपति अट्टा मिल्स के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए 9 और 10 अगस्त 2012 को घाना का दौरा किया।

श्री सुधीर मित्तल, सचिव (उर्वरक) के नेतृत्व में भारत सरकार के एक शिष्टमंडल ने भारत - घाना संयुक्त उद्यम की उर्वरक परियोजना पर चर्चा के लिए 23 से 28 जून 2013 के दौरान घाना का दौरा किया। संयुक्त सचिव के स्तर पर विदेश मंत्रालय से एक दो सदस्यीय आधिकारिक शिष्टमंडल ने घाना में विकास सहायता परियाजनाओं पर चर्चा करने के लिए 1 से 4 जून 2015 के दौरान घाना का दौरा किया। भारतीय एग्जिम बैंक से एक तीन सदस्यीय टीम भी दौरा करने वाले शिष्टमंडल का हिस्सा थी।

आई ए एफ एस - 3

घाना के राष्ट्रपति को प्रधानमंत्री का निमंत्रण देने के लिए प्रधानमंत्री के विशेष दूत के रूप में श्री मोहन भाई कुंडारिया (कृषि राज्य मंत्री) ने 5 और 6 जुलाई 2015 को घाना का दौरा किया। अपनी यात्रा के दौरान उन्होंने राष्ट्रपति महामा से मुलाकात की तथा विदेश मंत्री सुश्री हन्नाह तेतेह के साथ भी बैठक की।

एक उच्च स्तरीय शिष्टमंडल के साथ राष्ट्रपति जान ड्रमानी महामा ने तीसरी भारत - अफ्रीका मंच शिखर बैठक में भाग लेने के लिए 27 से 29 अक्टूबर 2015 के दौरान भारत का दौरा किया तथा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के साथ एक द्विपक्षीय बैठक भी की। विदेश मंत्री सुश्री हन्नाह तेतेय भी शिष्टमंडल में शामिल थीं तथा विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज से मुलाकात की। शिखर बैठक के दौरान अतिरिक्त समय में आयोजित व्यापार मंत्री बैठक में व्यापार एवं उद्योग मंत्री डा. एकवोव स्पियो गरब्राह ने भी भाग लिया।

वाणिज्यिक संबंध :

वर्ष 2009 में आरंभ किए गए भारत सरकार की टीम 9 पहल के तहत नौ पश्चिमी अफ्रीकी राष्ट्रों में घाना को भी शामिल किया गया था। भारत ऋण सहायता एवं अनुदान प्रदान करके परियोजनाओं की स्थापना में सहायता उपलब्ध कराते हुए घाना के विकास में भागीदार रहा है। अब तक, भारत सरकार ने विभिन्न विकासात्मक परियोजनाओं के लिए घाना सरकार को लगभग 230 मिलियन अमेरीकी डॉलर की ऋण सहायता प्रदान की है। कुछ परियोजनाएं पूरी हो गई हैं जबकि कुछ परियोजनाएं क्रियान्वयन के विभिन्न स्तर पर हैं। हाल की परियोजनाओं में आई सी टी के लिए भारत - घाना कोफी अन्नान उत्कृष्टता केंद्र; फ्लैग स्टाफ हाउस (राष्ट्रपति परिसर), अखिल अफ्रीका ई- नेटवर्क परियोजना और ग्रामीण विद्युतीकरण परियोजना शामिल हैं। कार्यान्वयन के अधीन परियोजनाएं विभिन्न क्षेत्रों से सम्बद्ध हैं जिनमें मत्स्य, अपशिष्ट प्रबंधन, रेलवे उपस्कर तथा कृषि प्रसंस्करण, फायर टेंडर तथा एक शुगर फैक्ट्री से संबंधित परियोजनाएं हैं।

उर्वरक के विनिर्माण हेतु गैस का उपयोग करके 1.2 बिलियन अमरीकी डॉलर की संयुक्त उद्यम उर्वरक परियोजना की स्थापना करने हेतु दिनांक 6 जुलाई, 2010 को भारत और घाना के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए। तथापि गैस आपूर्ति की कमी के कारण बहुत ज्यादा प्रगति नहीं हुई है।

भारत सरकार ने आई टी में उत्कृष्टता के लिए भारत - घाना कोफी अन्नान केन्द्र को लगभग 1 मिलियन डालर की तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान की है। न केवल घाना द्वारा बल्कि पूरे क्षेत्र में इस केन्द्र की खूब सराहना हो रही है। भारत - अफ्रीका मंच शिखर सम्मेलन (आई ए एफ एस I और II) में लिए गए निर्णयों के तहत घाना में डाक अवसंरचना में सुधार लाने

के प्रयोजन से एक भारत - अफ्रीका सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आई ए आई आई टी), खाद्य प्रसंस्करण व्यवसाय उद्भवन केंद्र, सामग्री परीक्षण प्रयोगशाला और प्रोजेक्ट ऐरो कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों पर हैं। घनिष्ठ सहयोग को सुगम बनाने के लिए भारतीय मानक ब्यूरो (बी आई एस) और घाना मानक प्राधिकरण (जी एस ए) एक एम ओ यू पर काम कर रहे हैं जिसे दोनों पक्ष 2016 से तीन साल की अगली अवधि के लिए नवीकृत करेंगे।

हाल के वर्षों में दोनों देशों के वाणिज्य प्रतिनिधिमंडलों के एक-दूसरे देश का दौरा करने से निर्माण, विनिर्माण, सेवा तथा पर्यटन जैसे सेक्टरों और इस्पात, सीमेंट, प्लास्टिक, औषध, आई सी टी, कृषि प्रसंस्करण एवं कृषि मशीनरी, विद्युत उपस्कर, रसायनिक उत्पादों इत्यादि जैसे क्षेत्रों में भारतीय कंपनियों का घाना में निवेश बढ़ा है। अनेक भारतीय कंपनियां घाना में सार्वजनिक एवं निजी दोनों सेक्टरों में अपनी पहुंच बना रही है। सार्वजनिक सेक्टर से, बैंक ऑफ बड़ौदा ने फरवरी, 2008 में एकरा में प्रचालन आरंभ किया। इसने अगस्त, 2002 में टेमा में अपनी दूसरी शाखा खोली।

निजी सेक्टर में प्रख्यात कंपनियां अर्थात् टाटा, अशोक लीलैंड, महिंद्रा एवं महिंद्रा, लार्सन एवं टॉब्रो, भारतीय एयरटेल, एन आई आई टी, मैसर्स शपूरजी पैलनजी एण्ड कंपनी तथा अनेक औषधीय क्षेत्र की कंपनियां प्रचालनरत हैं। घाना में महिंद्रा एवं महिंद्रा की डीलर कंपनी, स्वानी मोटर्स ने हाल ही में एक आधुनिक ऑटोमोबाइल प्लाजा के निर्माण हेतु योजनाओं की घोषणा की है जिसमें संयोजन संयंत्र एवं सेवा केंद्र होंगे। बाजार ऑटो लिमिटेड ने घाना के बाजार में बॉक्सर मोटर साइकिलों के विपणन हेतु सोमोको को घाना के साथ व्यवसाय में साझेदार बना है।

घाना निवेश संवर्धन केंद्र (जी आई पी सी) के अनुसार, भारतीय कंपनियों ने सितंबर, 1994 से सितंबर, 2014 की अवधि के दौरान कुल 998 मिलियन अमेरीकी डॉलर का 600 से अधिक परियोजनाओं में निवेश करके परियोजना की संख्या के संदर्भ में भारत को घाना में दूसरा सबसे बड़ा विदेशी निवेशक देश बना दिया है तथा घाना में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के मूल्य के अनुसार इसे 9वां स्थान प्रदान किया है। 2013 में भारतीय एफ डी आई के तहत 57 परियोजनाएं पंजीकृत हुई थीं।

एसोसिएशन ऑफ घाना इंडस्ट्री (ए जी आई) के सहयोग से सी आई आई ने जून 2010 में अकरा में भारत - अफ्रीका परियोजना साझेदारी पर 12वीं क्षेत्रीय गोष्ठी का आयोजन किया। इस गोष्ठी में नाइजीरिया, आइबरी कोस्ट, बुर्किना फासो तथा टोगो सहित पश्चिम अफ्रीका के अनेक देशों ने भाग लिया। 3 सितंबर 2010 को अकरा में एक सी ई ओ गोलमेज का आयोजन किया गया। फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) से एक 35 सदस्यीय भारतीय कारोबारी शिष्टमंडल ने 21 फरवरी 2011 को एसोसिएशन ऑफ घाना इंडस्ट्रीज (ए जी आई) के समन्वय में मिशन द्वारा आयोजित "बिजनेस मीट" में भाग लिया।

अपोलो हास्पिटल के निमंत्रण पर घाना के उप स्वास्थ्य मंत्री डा. विक्टर असारे बाम्पोय ने अपोलो कैंसर गोष्ठी, हैदराबाद में भाग लेने के लिए 6 से 9 फरवरी 2015 के दौरान भारत का दौरा किया। इस यात्रा के दौरान घाना में तृतीयक स्वास्थ्य देखरेख सेवाएं स्थापित करने के लिए घाना के स्वास्थ्य मंत्रालय तथा अपोलो हास्पिटल इंटरप्राइज लिमिटेड के बीच एक एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए गए।

भारत सरकार के तत्वावधान में और व्यापार एवं उद्योग मंत्रालय (घाना), ई सी ओ डब्ल्यू ए एस, घाना निवेश संवर्धन केंद्र तथा घाना उद्योग संघ की सहायता से, एक "इंडिया ट्रेड शो" का आयोजन फिक्की द्वारा 9-11 जुलाई, 2012 के दौरान एकरा में घाना अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला में किया गया।

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आई आई एफ टी), नई दिल्ली ने घाना प्रबंधन एवं लोक प्रशासन संस्थान (जी आई एम पी ए) के सहयोग से 30 सितम्बर से 4 अक्टूबर, 2013 के दौरान एकरा में एक सप्ताह की अवधि वाले अधिशासी विकास कार्यक्रम (ई डी पी) का संचालन किया। इस कार्यक्रम में सरकारी कार्मिक, विभिन्न व्यवसायों एवं व्यापार मंडलों के वरिष्ठ अधिशासी अधिकारी सहित 65 व्यक्तियों ने भाग लिया।

घाना के 20 बुनकरों तथा बोलगाटोंगा से 5 समन्वयकों के एक समूह ने 2 से 20 दिसंबर 2013 के दौरान राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (एन आई डी), अहमदाबाद में आई ए एफ एस 2 के तहत "ग्रामीण अफ्रीका की शिल्पी महिलाओं / कारीगरों के सशक्तीकरण के लिए बास्केटरी शिल्प के लिए डिजाइन नवाचार" पर आयोजित दो सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (एन आई डी), अहमदाबाद के एक 6 सदस्यीय टीम ने स्थानीय पार्टनर "ऐड टू आर्टिसन घाना" (ए टी ए जी) के सहयोग से अकरा इंटरनेशनल ट्रेड फेयर सेंटर में 30 अप्रैल से 14 मई, 2014 के दौरान ए टी ए जी परिसरों में स्वदेश में तीसरी कार्यशाला तथा "डिजाइनिंग द डिफरेंस" नामक एक प्रदर्शनी का आयोजन किया। घाना की द्वितीय महिला मटिल्डा अमीशा आर्थर द्वारा दो दिवसीय प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया।
अकरा में 24 मार्च 2015 को भारत - घाना निवेश साझेदारी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में भारत के स्थानीय कारोबारी तथा घाना के स्थानीय कारोबारी एकत्र हुए। इसे उच्चायोग द्वारा आयोजित किया गया था जिसका उद्देश्य घाना में भारतीय निवेश की मात्रा बढ़ाना था। व्यापार एवं उद्योग मंत्री डा. एकवोव स्पियो गरब्राह इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे तथा उन्होंने बीज भाषण दिया।

36 भारतीय कारोबारियों के एक बहुक्षेत्रक शिष्टमंडल ने 13 से 20 अप्रैल 2015 के दौरान घाना का दौरा किया। इस यात्रा का आयोजन भारत में घाना के उच्च आयुक्त द्वारा किया गया था तथा वह भी इस शिष्टमंडल में शामिल थे। शिष्टमंडल ने घाना के उप राष्ट्रपति, व्यापार एवं उद्योग मंत्री, अन्य मंत्रियों तथा शीर्ष स्तर के सरकारी अधिकारियों से मुलाकात की। निवेश एवं कारोबार के लिए उपलब्ध अवसरों का आकलन करने के लिए शिष्टमंडल ने घाना का दौरा भी किया।

सी आई आई के नेतृत्व में घाना के लिए भारतीय निवेश एवं व्यवसाय साझेदारी मिशन से विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े 20 कारोबारियों के एक शिष्टमंडल ने 7 से 9 दिसंबर 2015 के दौरान घाना का दौरा किया। शिष्टमंडल ने घाना गणराज्य के उप राष्ट्रपति महामहिम श्री अमिशा आर्थर से मुलाकात की तथा 7 दिसंबर 2015 को विदेश मंत्री सुश्री हन्नाह तेतेह के साथ बैठक की। 8 दिसंबर 2015 को ला पाम बीच होटल में एक अंत:क्रियात्मक निवेश एवं व्यावसाय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। माननीय व्यापार एवं उद्योग मंत्री डा. एकवोव स्पियो गरब्राह, जो मानद अतिथि थे, ने बीज भाषण दिया। लंच पश्चात सत्र में बहुत रचनात्मक बी 2 बी बैठकों का आयोजन किया गया।

वर्ष 2011-12 में, द्विपक्षीय व्यापार पहली बार 1 बिलियन अमेरीकी डॉलर की सीमा को पार कर गया। विगत चार वर्षों के दौरान के व्यापार संबंधी आंकड़े निम्नलिखित हैं-

(मिलियन अमरीकी डालर में)

वर्ष	घाना को भारत का निर्यात	घाना से भारत का आयात	कुल व्यापार	व्यापार संतुलन
2011-12	800.35	403.67	1204.02	396.68
2012-13	744.12	277.61	1021.73	466.51
2013-14	831.48	370.56	1202.04	460.92
2014-15	680.39	1257.6	1623.81	-577.21

(स्रोत : वाणिज्य विभाग, भारत सरकार)

घाना का मुख्य (परम्परागत) निर्यात हैं - गोल्ड, कोका, नट तथा टिंबर उत्पाद। घाना से भारत द्वारा कुल आयात में गोल्ड का अनुपात 81 प्रशित के आसपास है। भारत द्वारा घाना को जिन वस्तुओं का निर्यात किया जाता है उनमें मुख्य रूप से फार्मास्युटिकल, कृषि मशीनरी, परिवहन वाहन, विद्युत उपकरण, प्लास्टिक, लोहा एवं इस्पात, एथिल अल्कोहल, बीवरेज एवं स्पिरिट, अनाज, मेड अप टेक्सटाइल आदि शामिल हैं।

आई टी ई सी

घाना भारतीय तकनीकी तथा आर्थिक सहयोग (आई टी ई सी) के माध्यम से विकासशील देशों में मानव संसाधन विकास में भारत की सहायता का भी एक भागीदार देश रहा है। घाना ने आई सी सी आर छात्रवृत्तियों तथा आई आई एफ टी एवं आई ए एफ एस कार्य योजना के तहत प्रस्तावित क्षमता निर्माण पाठ्यक्रमों सहित विभिन्न अन्य स्कीमों के तहत वित्त वर्ष 2014-15 में 42 स्लाटों तथा 242 आई टी ई सी स्लाटों का उपयोग किया है। घाना के लिए आई टी ई सी स्लाटों की संख्या 2013-14 में 200 से बढ़ाकर वित्त वर्ष 2014-15 में 250 की गई। वित्त वर्ष 2015-16 में इतनी ही संख्या में स्लॉटों को आबंटित किया गया। आई सी सी आर की अफ्रीका छात्रवृतति योजना के तहत भारत में फिलहाल घाना के लगभग 50 छात्र अध्ययन कर रहे हैं। घाना के 6 छात्रों को वर्ष 2014 के दौरान सी वी रमन अनुसंधान अध्येतावृतति प्रदान की गई थी।

सांस्कृतिक संबंध :

भारत सरकार द्वारा प्रायोजित, नोयम नृत्य संस्थान, एकरा के एक 8 सदस्यीय घाना नृत्य मंडली ने मई, 2011 में आदिस अबाबा में आयोजित दूसरे भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन (आई ए एफ एस- II) में भाग लिया। उच्चायोग ने विभिन्न कार्यक्रमों के साथ गुरूदेव रविन्द्रनाथ टैगोर की 150वीं जन्म वर्षगाठ एकरा (मई 2014) में मनाया। घाना में एक शिल्प कलाकार ने भी इस समारोह में भाग लिया। घाना के एक 10 सदस्यीय नृत्य मंडली ''नटेनटन'' ने आई सी सी आर के आमंत्रण पर 14-22 जून, 2012 के दौरान नई दिल्ली तथा अहमदाबाद में आई सी सी आर द्वारा आयोजित अफ्रीका उत्सव में भाग लिया। ''मैत्रेयी पहाड़ी ग्रूप'' की 15 सदस्यीय भारतीय संस्कृति मंडली ने 9-11 जुलाई, 2012 के दौरान एकरा का दौरा किया तथा एकरा में विभिन्न स्थानों पर अपनी कला का पदर्शन किया। घाना विश्वविद्यालय के घाना अध्ययन संस्थान से एक 10 सदस्यीय नृत्य मंडली अक्टूबर 2015 में आई ए एफ एस 3 के सांस्कृतिक कार्यक्रम का हिस्सा थी। आई सी सी आर द्वारा प्रायोजित एक 8 सदस्यीय राजधानी लोक नृत्य (सपेरा) मंडली ने 10 से 17 सितंबर 2015 के दौरान घाना का दौरा किया। उन्होंने घाना में दो परफार्मेंस दिए - 11 सितंबर को नेशनल थिएटर अकरा में और 16 सितंबर 2015 को राष्ट्रीय सांस्कृतिक केन्द्र, कुमासी में

समय-समय पर, इस मिशन के प्रमुख थिएटरों में भारतीय फीचर फिल्मों (बाल फिल्मों सहित) का महोत्सव आयोजित करता है। भारतीय फिल्मों का पिछली बार ऐसा ही महोत्सव 25-31 जनवरी, 2013 के दौरान एकरा में सिल्वर बर्ड सिनेमा में आयोजित किया गया। इस महोत्सव का स्थानीय लोगों ने लुल्फ उठाया और इसकी काफी सहारना की। मिशन बालीवुड फिल्मों की स्क्रीनिंग सहित स्थानीय विश्वविद्यालयों के साथ आउटरीच कार्यक्रमों का भी आयोजन करता है। 2015 के दौरान घाना प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कालेज, अकरा में तथा अकादमी सिटी कालेज, अकरा में अनेक भारतीय फिल्में दिखाई गईं। अनेक शैक्षिक संस्थाओं में भारत, भारतीय राजनीतिक तंत्र तथा लोकतंत्र पर व्याख्यान दिए गए।

उच्चायोग ने दिल्ली पबलिक स्कूल इंटरनेशनल, टेमा (घाना) के सहयोग से 14 सितम्बर, 2013 को हिंदी दिवस का समारोह मनाया। इस समारोह के दौरान, हिंदी निबंध, लेखन, भाषण एवं कहानी लेखन प्रतियोगिताएं की गईं। ऐसा ही समारोह वर्ष 2014 में भी मनाया गया।

21 जून 2015 को व्यापक प्रचार प्रसार के साथ घाना में प्रथम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया।

उच्चायोग की मदद से घाना में आधारित मशहूर कुछ भारतीय कंपनियों ने अकरा पोलो क्लब में 26 और 27 सितंबर 2015 को घाना के अकरा पोलो क्लब और इंडियन पोलो एसोसिएशन के बीच एक पोलो टूर्नामेंट का आयोजन किया। आर्मी मेजर अर्जुन पाटील के नेतृत्व में भारतीय टीम में 4 खिलाड़ी थे। घाना के युवा एवं खेल मंत्री मानद अतिथि थे। घाना के पहले राष्ट्रपति कवामे नकरूमाह की बेटी तथा कनवेंशन पीपुल्स पार्टी (सी पी पी) की नेता सुश्री सामिया नकरूमाह ने पुरस्कारों का वितरण किया। यह द्विपक्षीय संबंधों का एक नया आयाम है।

2 अक्टूबर 2015 को मिशन द्वारा एलियांस फ्रांकेइस, रोमन रिज स्कूल तथा एस एम यू अकादमी सिटी कालेज में गांधी जी पर फिल्में दिखाई गई। सभी तीन संस्थाओं के छात्रों ने दिखाई गई फिल्मों में गहरी रुचि का प्रदर्शन किया।

मिशन के आडिटोरियम में 28 नवंबर 2015 को मिशन द्वारा संविधान दिवस (26 नवंबर) मनाया गया। एस एम यू अकादमी सिटी कालेज से राजनीति विज्ञान के एक प्रवक्ता ने भारतीय मूल के बच्चों की सभा में भारत के संविधान की प्रमुख विशेषताओं पर भाषण दिया, जिन्होंने इसके बाद प्रस्तावना को पढ़कर सुनाया।

भारतीय समुदाय :

ऐसा अनुमान है कि घाना में भारतीय समुदाय के 10,000 व्यक्ति रहते हैं। इनमें से कुछ लोग घाना में पिछले 70 वर्ष से रह रहे हैं। घाना में भारतीयों की कारोबारी गतिविधियों ने घाना के आर्थिक विकास में काफी योगदान दिया है। परियोजनाओं की संख्या की दृष्टि से घाना में भारतीय निवेशक दूसरे स्थान पर हैं। भारतीय संघ भारतीय महोत्सवों के आयोजन में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। घाना में एक हिंदू मंदिर, एक गुरद्वारा और एक हिंदू मठ है।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय उच्चायोग, अकरा की वेबसाइट :
http://www.indiahc-ghana.com/ भारतीय उच्चायोग, अकरा फेसबुक पृष्ठ:
https://www.facebook.com/pages/High-Commission-of-India-Accra-Ghana/

***

फरवरी, 2016